International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

शैक्षिक संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सृजनात्मकता का माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर अध्ययन

चन्दन कुमार सिंह
शोध–छात्र (शिक्षा संकाय)
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल
विश्वविद्यालय, जौनपुर

सृजनात्मकता व्यक्ति की रचनात्मक क्रियाकलापों, दृष्टिकोण और लक्ष्यों के प्रति स्वयं की प्रवृत्ति है। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक संस्थान व शिक्षण के स्तर एवं उनकी अन्तःक्रिया का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर प्रभाव का अध्ययन करना है। अध्ययन के लिए शोधार्थी द्वारा प्रयागराज जनपद से 200 विद्यार्थियों (100 छात्र व 100 छात्राओं) को यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि द्वारा प्रतिदर्श के रूप में चयनित किया गया। आंकड़ों के एकत्रीकरण के लिए बाकर मेहंदी (2008) द्वारा निर्मित प्रमाणीकृत उपकरण का उपयोग किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण के लिए एनोवा टेस्ट का उपयोग किया और परिणाम में पाया गया कि शैक्षिक संस्थान, शिक्षण के स्तर एवं उनकी अन्तःक्रिया का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। शैक्षिक संस्थानों का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर सार्थक प्रभाव पाया गया। शिक्षण के स्तर का विद्यार्थियों के सृजनात्मकता पर सार्थक प्रभाव पाया गया।

संकेत शब्द : शैक्षिक संस्थान, सृजनात्मकता।

परिचय

सृजनात्मकता व्यक्ति की रचनात्मक क्रियाकलापो, दृष्टिकोण एवं लक्ष्यों के प्रति स्वयं की प्रवृत्ति मात्र है। विद्यार्थियों की सृजनात्मकता ज्ञान, दृष्टिकोण, मूल्यों, शारीरिक विशेषताओं और पर्यावरणीय प्रभावों पर निर्भर करता है। शिक्षा एवं शैक्षिक संस्थानों द्वारा विद्यार्थियों के सृजनात्मक, गुणात्मक तथा मूल्यात्मक प्रवृत्तियों का शोधन एवं मार्गान्तीकरण होता है। यह अध्ययन शैक्षिक संस्थानों और सृजनात्मकता से सम्बन्धित है। शैक्षिक संस्थान एक स्वतंत्र चर एवं सृजनात्मकता आश्रित चर है। शैक्षिक संस्थानों के रूप में सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थानों को अध्ययन में शामिल किया गया है।

शैक्षिक संस्थान

शैक्षणिक संस्थान एक ऐसी जगह है, जहाँ पर शिक्षा का आदान–प्रदान होता है। शैक्षिक संस्थानों में सीखने के वातावरण और सीखने के स्थानों की विविधताओं के बीच विभिन्न आयु के लोग शिक्षा प्राप्त करते हैं। मुख्यतः शैक्षिक संस्थाएँ सरकारी और गैर सरकारी होती है।

सृजनात्मकता

सृजनात्मकता, समस्याओं, ज्ञान में कमी, लुप्त तत्वों, असंगतियों के प्रति संवेदनशील होने की प्रक्रिया है। इसमें कठिनाईयों की पहचान करना, समाधानों की खोज करना, कमियों के बारे में अनुमान लगाना अथवा कमियों के विषय में परिकल्पनाओं की सूत्रबद्धता,

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

परिकल्पनाओं का पुनः परीक्षण तथा सम्भवतया उनका रूपान्तरण एवं पुनः परीक्षण अन्ततः परिणामों की घोषणा निहित होता है। यह निश्चित रूप से उद्देश्यपूर्ण या लक्षित होता है न कि एक निराधार स्वप्न होता है। यह वैज्ञानिक, कलात्मक या साहित्यिक रचना के रूप में हो सकता है।

सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण

सुरपुरपथ (2014) ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की सृजनात्मकता और शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन किया। आंकड़ों के विश्लेषण के लिए प्रोडक्ट मोमेन्टम सह–सम्बन्ध और टी–टेस्ट सांख्यिकीय का उपयोग किया। परिणामों से पता चला कि छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि और सृजनात्मकता एक–दूसरे के मध्यम स्तर पर सकारात्मक रूप से जुड़ी हुई थी। पुरूष और महिला छात्रों के रचनात्मकता में कोई उल्लेखनीय अन्तर नहीं पाया गया। शहरी और ग्रामीण छात्रों एवं सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों के छात्रों में भी उनकी सृजनात्मकता में कोई उल्लेखनीय अन्तर नहीं पाया गया।

ल्यू (2015) ने कोरिया में किशोरों की कल्पनाशक्ति पर घरेलू वातावरण के प्रभाव का अध्ययन 510 छात्रों पर किया। परिणामों से पता चला कि इन छात्रों की कल्पनाशक्ति घरेलू वातावरण के पहलुओं से काफी हद तक सम्बन्धित थी। साथ ही यह भी पाया गया कि उन परिवारों के छात्रों की रचनात्मक शक्ति अधिक थी, जिन्होंने बेहतर वातावरण प्रदान किया।

डेंग, झाआ और वांग (2016) ने संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के छात्रों की रचनात्मकता पर व्यैक्तिक विभिन्नता और पर्यावरणीय कारकों के प्रभावों का अध्ययन किया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि असंगत सोच और रचनात्मक दृष्टिकोण ने माता–पिता के मूल्यों के रचनात्मकता पर प्रभाव को संयुक्त राज्य अमेरिका के नमूनों के लिए क्रमिक रूप से मध्यस्थता प्रदान की, जिसमें खुलेपन ने उच्च विद्यालय प्रशिक्षण के नवाचारी उपलब्धि पर प्रभाव को चीन के नमूने के लिए मध्यस्थता प्रदान की। परिणामों ने पर्यावरणीय कारकों के कल्पनाशक्ति पर प्रभाव में सांस्कृतिक विविधता की सलाह प्रदान किया।

आर्या और प्रसाद (2017) ने छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि, सृजनात्मकता और बुद्धिमत्ता के बीच सम्बन्ध का मूल्यांकन किया। आंकड़ों का संकलन स्व–निर्मित प्रश्नावली के माध्यम से एकत्रित किया गया, जिसमें प्रतिवादियों की मूल जानकारी, उनके पारिवारिक आय और उनके अध्ययन गतिविधियोंसे सम्बन्धित जानकारी शामिल थी। आंकड़ों का विश्लेषण प्रतिशतता और आवृत्ति के संदर्भ में किया गया। परिणाम फलस्वरूप रचनात्मकता, शैक्षिक उपलब्धि और बुद्धिमत्ता में कोई सार्थक सम्बन्ध नही पाया गया।

चौहान और शर्मा (2017) ने 600 छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि और रचनात्मकता के बीच सम्बन्ध का अध्ययन किया। आंकड़ों के विश्लेषण के लिए बहु प्रतिगमन और सह–सम्बन्ध का उपयोग किया गया। परिणामस्वरूप रचनात्मकता के उन गुणों को पाया गया, जो छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि और उपलब्धि अभिविन्यास की भविष्यवाणी में महत्त्वपूर्ण था।

हूडा और रानी (2017) ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में नवीन सोच, कौशल, बुद्धिमत्ता और पारिवारिक वातावरण के सम्बन्ध का अध्ययन किया। प्रतिदर्श के रूप में 100 पुरूष और महिला को स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा चयनित किया

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

गया। चरों के बीच सम्बन्ध को जानने के लिए प्रोडक्ट मोमेन्टम सह–सम्बन्ध का उपयोग किया गया। परिणामस्वरूप ज्ञात हुआ कि पुरूष और महिला विद्यार्थियों की रचनात्मकता के आयाम, अर्थात् प्रवाह, मौलिकता और लचीलापन, पारिवारिक वातावरण और बुद्धिमत्ता से नकारात्मक रूप से जुड़े थे। हालांकि, अर्न्तराष्ट्रीय रचनात्मकता पारिवारिक वातावरण और बुद्धिमत्ता से सकारात्मक रूप से जुड़ी थी।

अध्ययन के उद्देश्य

1. शैक्षिक संस्थान, शिक्षण के स्तर एवं उनकी अन्तःक्रिया का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर प्रभाव का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना

1. शैक्षिक संस्थान, शिक्षण के स्तर एवं उनकी अन्तःक्रिया का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर कोई प्रभाव नहीं है।

प्रतिदर्श

अध्ययन के लिए प्रयागराज जनपद में स्थित सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों के माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत 200 विद्यार्थियों को यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि द्वारा प्रतिदर्श के रूप में चयनित किया गया।

सारणी क्रमांक–1.1.0 प्रतिदर्श का शैक्षिक संस्थान, लिंग एवं कक्षा के स्तर के अनुसार विभाजीकरण

कक्षा का स्तर	सरकारी संस्थान		गैर सरकारी संस्थान		योग
	माध्यमिक	उच्चतर माध्यमिक	माध्यमिक	उच्चतर माध्यमिक	
छात्र	25	25	25	25	100
छात्राएँ	25	25	25	25	100
योग	**50**	**50**	**50**	**50**	**200**

उपकरण

सृजनात्मकता के मापन के लिए बाकर मेहंदी (2008) के गैर–मौखिक रचनात्मक सोच परीक्षण नामक प्रमाणीकृत मापनी का उपयोग किया गया। इस परीक्षण में तीन प्रकार की गतिविधियाँ शामिल है, अर्थात् चित्र निर्माण, चित्र पूर्णता और दीर्घवृत्त एवं त्रिकोण। परीक्षण मापनी की वैधता 0.94 एवं विश्वसनीयता 0.32 है।

आंकड़ों का विश्लेषण

शैक्षिक संस्थान, शिक्षण के स्तर एवं उनकी अन्तःक्रिया का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर प्रभाव को ज्ञात करने के लिए टू वे एनोवा का उपयोग किया गया। उद्देश्यानुसार शैक्षिक संस्थान के दो स्तर सरकारी एवं गैर–सरकारी तथा शिक्षण के दो स्तर माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक थे। इसलिए आकंड़ों का विश्लेषण 2x2 फैक्टोरियल

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

डिजाइन एनोवा के द्वारा किया गया। परिणाम एवं व्याख्या सारिणी क्रमांक 2.1.0 में दिया गया है।

सारिणी क्रमांक 2.1.0 विद्यार्थियों के सृजनात्मकता के लिए 2x2 फैक्टोरियल डिजाइन एनोवा का सार

विचलन का स्रोत	df	ss	mss	f-value
शैक्षिक संस्थान (अ)	1	1458	1458	24.80**
शिक्षण का स्तर (ब)	1	220.50	220.50	3.45*
अxब	1	14.58	14.58	0.248
त्रुटि	196	11521	58.78	
योग	200			

*0.05 स्तर का सार्थक
**0.01 स्तर पर सार्थक

सारणी क्रमांक 2.1.0 में यह विदित है कि विद्यार्थियों की सृजनात्मकता के लिए शैक्षिक संस्थान का f मूल्य 24.80 है, जो कि 1/196 df के साथ 0.01 स्तर पर सार्थक पाया गया। इसलिए यह कहा जा सकता है कि शैक्षिक संस्थानों का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर सार्थक प्रभाव पाया गया। इस संदर्भ में शून्य परिकल्पना की शैक्षिक संस्थानों का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं होगा कि निरस्त किया जाता है। सरकारी संस्थानों के विद्यार्थियों का सृजनात्मकता का मध्यमान 57.06 गैर सरकारी संस्थानों के विद्यार्थियों के सृजनात्मकता मध्यमान 51.66 से सार्थक रूप से बेहतर पाया गया। इसलिए यह कहा जा सकता है कि गैर सरकारी संस्थानों की अपेक्षा सरकारी संस्थानों में विद्यार्थियों की सृजनात्मकता सार्थक रूप से अधिक बेहतर पाया गया।

सारणी क्रमांक 2.1.0 के अनुसार शिक्षण के स्तर का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता के लिए f मूल्य 3.45 है यह कहा जा सकता है कि 1/196 के df के साथ 0.05 स्तर पर सार्थक पाया गया। इसलिए शिक्षण के स्तर का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर सार्थक प्रभाव पाया गया। इस संदर्भ में शून्य परिकल्पना की शिक्षण के स्तर का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं होगा को निरस्त किया जाता है। विद्यार्थियों की सृजनात्मकता में शिक्षण के स्तर के मध्यमानों में माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के सृजनात्मकता के मध्यमान 53.31 से उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के सृजनात्मकता का मध्यमान 55.41 सार्थक रूप से अधिक पाया गया। इसलिए यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता सार्थक रूप से बेहतर पाया गया।

सारणी क्रमांक 2.1.0 के अनुसार शैक्षिक संस्थान व शिक्षण के स्तर की अन्तःक्रिया का f मूल्य 0.248 है, जो कि 1/196 का df के साथ 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं पाया गया। इसलिए यह कहा जा सकता है कि शैक्षिक संस्थान व शिक्षण के स्तर की अन्तःक्रिया का विद्यार्थियों के सृजनात्मकता के ऊपर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। इस संदर्भ में शून्य परिकल्पना की सृजनात्मकता व शिक्षण के स्तर की अन्तःक्रिया का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं होगा कि निरस्त नहीं किया जाता

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

है। इसलिए यह कह सकते हैं कि सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता में कोई सार्थक भेद नहीं है।

अध्ययन के परिणाम

- गैर सरकारी शैक्षणिक संस्थानों की अपेक्षा सरकारी, शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों की सृजनात्मकता सार्थक रूप से अधिक बेहतर पाया गया।
- माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अपेक्षा उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता सार्थक रूप से बेहतर पाया गया।
- सरकारी एवं गैर सरकारी शैक्षिक संस्थानों में माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की सृजनात्मकता में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

निष्कर्ष

शैक्षिक संस्थानों, अभिभावकों तथा शिक्षकों के संयुक्त परामर्श एवं निर्देशन के द्वारा विद्यार्थियों में उनके रचनात्मकता को संरचित किया जा सकता है। अध्ययन के फलस्वरूप निष्कर्ष के रूप में पाया गया कि शैक्षिक संस्थानों, शिक्षण के स्तर एवं उनकी अन्तःक्रिया का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया। शैक्षिक संस्थानों का विद्यार्थियों की सृजनात्मकता पर सार्थक प्रभाव पाया गया। शिक्षण के स्तर का विद्यार्थियों के सृजनात्मकता पर सार्थक प्रभाव पाया गया।

संदर्भ सूची

1. आर्या, एम. और मौर्या, एम. (2016). सृजनात्मकता, बुद्धिमत्ता और शैक्षिक उपलब्धि में सम्बन्ध का अध्ययन. जर्नल ऑफ स्टडीज ऑन होम एंड कम्युनिटी साइंसेज, वॉल्यूम 10(1–3), पृ0–1–7.
2. बुच, एम.बी. (1974). शिक्षा में शोध का सर्वेक्षण, बड़ौदा : सीएएसई, एम.एस. यूनिवर्सिटी, पृ0–618.
3. बुच, एम.बी. (1988–1992). ''शिक्षा में शोध का पाँचवा सर्वेक्षण'', एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली.
4. बुच, एम.बी. (1969–1972). ''शिक्षा में शोध का पहला सर्वेक्षण'', एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली.
5. बुच, एम.बी. (1983–1988). ''शिक्षा में शोध का चौथा सर्वेक्षण'', एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली.
6. बुच, एम.बी. (1972–1978). ''शिक्षा में शोध का दूसरा सर्वेक्षण'', एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली.
7. बुच, एम.बी. (1978–1983). ''शिक्षा में शोध का तीसरा सर्वेक्षण'', एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली.
8. चौहान, एस. और शर्मा, ए. (2017). सार्वजनिक और निजी विद्यालय के विद्यार्थियों में सृजनात्मक और शैक्षिक उपलब्धि के बीच सम्बन्ध का अध्ययन. इंटरनेशनल और जर्नल ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, 6(1), 39–45.
9. डेंग, एल., वांग एल. और झाओ, वाई. (2016). पर्यावरणीय कारकों और व्यक्तिगत विशेषताओं ने सृजनात्मकता को कैसे प्रभावित किया : एक पर–सांस्कृतिक तुलनात्मक

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 10 Issue 12, December 2020
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

दृष्टिकोण. क्रिएटिविटी रिसर्च जर्नल, 3(357–366). DOI : (10.1080/10400419.2016.1195615).

10. हूडा, एम. और रानी (2017). उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों में रचनात्मक सोच क्षमताओं का पारिवारिक वातावरण और बुद्धिमत्ता के साथ सम्बन्ध का अध्ययन. इंटरनेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च जर्नल, 7(3).

11. ल्यू, के.एच. (2015). घरेलू वातावरण का किशोरों की सृजनात्मकता पर प्रभाव. एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी लेटर्स, 92 (81–85).

12. सुरपुरमथ, ए.के. (2014). माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की सृजनात्मकता और शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल साइंस, 3, 305–309.